SYLLABI, OUTLINES OF PAPERS AND TESTS FOR

स्नातकोत्तर - द्वितीय

M.A. (Hindi) Part – II

Semester III & IV

For Session 2026-2027, 2027-2028

स्नातकोत्तर – द्वितीय (सैमेस्टर तृतीय) **M.A. II (Semester III)** **Session 2026-27, 2027-2028** **Program Code: M.A. Part II**								
Paper Code	**Name of the Paper**	**Internal**	**External**	**Total**	**Credits**	**Contact Hours per Week**		
						L	**T**	**P**
HINMA.3T-301	आधुनिक हिन्दी काव्य-1	**30**	**70**	**100**	**4**	**3**	**1**	**0**
HINMA.3T-302	भारतीय काव्यशास्त्र	**30**	**70**	**100**	**4**	**3**	**1**	**0**
HINMA.3T-303	हिन्दी नाटक और निबंध	**30**	**70**	**100**	**4**	**3**	**1**	**0**
वैकल्पिक अध्ययन								
HINMA.3T-304	मोहन राकेश विशेष अध्ययन	**30**	**70**	**100**	**4**	**3**	**1**	**0**
HINMA.3T-305	हिन्दी आलोचना और आलोचक – I	**30**	**70**	**100**	**4**	**3**	**1**	**0**
HINMA.3T-306	कबीर : विशेष अध्ययन	**30**	**70**	**100**	**4**	**3**	**1**	**0**

नोट

सभी विद्यार्थियों के लिए पेपरों का अंक विभाजन 70+30=100 रहेगा। इसमें 70 अंक का लिखित पेपर होगा तथा 30 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा। प्रथम सैमेस्टर व द्वितीय सैमेस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा, जिसमें सभी पेपर अनिवार्य होंगे। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेगा। द्वितीय सैमेस्टर में विद्यार्थियों को Qualifying Paper Punjabi Compulsory व Mudla Gyan/ Elementry Punjabi होगा।

CONTINUOUS ASSESSMENT (THEORY PAPERS)

1	Performance in Mid-Semester Test	12
2	Assignment/Project/Seminar	12
3	Attendance	06
Total Marks		30

M.A. II

(SEM-III)

पेपर पहला

आधुनिक हिन्दी काव्य-1 (HINMA.3T -301)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पासप्रतिशत : 40 | लिखित परीक्षा 70 अंक

Credits - 04 | आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को साहित्य में आए परिवर्तनों से अवगत करवाना।
2. विद्यार्थियों को आधुनिक कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. आधुनिक हिन्दी काव्य के नवीन रूपों तथा भाषा से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थियों की आधुनिक हिन्दी काव्य में रुचि उत्पन्न होगी।
2. विद्यार्थी आधुनिक काव्य की प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
3. विद्यार्थी साहित्य के माध्यम से समाज की परिस्थितियों से अवगत होंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

(1) मैथिलीशरण गुप्त, 'साकेत' (केवल नवम् सर्ग) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

(2) जयशंकर प्रसाद 'कामायनी' (केवल श्रद्धा सर्ग), राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।

(3) सूर्यकान्तं त्रिपाठी निराला 'राग विराग' काव्य संग्रह (तीन कविताएं जागो फिर एकबार 2, राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता) (सं. रामविलास शर्मा), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।
2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस वात का ध्यान रखें कि प्रत्येक प्रश्न के अंतर्गत दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंको का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। अंक-12X2=24
3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो(2) अंकों का होगा।

अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक-सूची

1. साकेत : एक अध्ययन- डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. मैथिलीशरण गुप्त – एक मूल्यांकन, राजीव सक्सेना, हिन्दी बुक सेंटर, नयी दिल्ली।
3. कामायनी – एक पुनर्विचार, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन- डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
5. साकेत सुधा, रामस्वरूप दूबे, नारायण बुक डिपो, कानपुर।
6. प्रसाद प्रतिभा - इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली।
7. निराला की साहित्य-साधना, रामविलास शर्मा, रामकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. निराला: रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. निराला एक आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

M.All(Sem – III)

पेपर दो

भारतीय काव्यशास्त्र (HINMA.3T-302)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 40 | लिखित परीक्षा 70 अंक

Credits - 04 | आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को काव्य के स्वरूप व काव्य के भेदों से परिचित करवाना।
2. काव्य के विभिन्न संप्रदायों से विद्यार्थियों को अवगत करवाना।
3. विद्यार्थियों को काव्य के प्रयोजन से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सम्प्रदायों तथा शब्द-शक्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थियों की काव्यशास्त्र में रुचि पैदा होगी।
3. विद्यार्थियों में साहित्य की समझ पैदा होगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड - क

1. काव्य का स्वरूप, काव्य प्रयोजन, काव्य लक्षणऔर काव्य के प्रकार।
2. शब्द-शक्तियां: अभिधा, लक्षणा और व्यंजना।

खण्ड - ख

1. छह संप्रदाय - अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, रस, ध्वनि और औचित्य।
2. रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।
2. भाग-एक में निर्धारित पाठ्यक्रम में से 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24
3. भाग-दो में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि एक प्रश्न के कम से कम दो उपभाग (क, ख) अवश्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24
4. भाग-तीन में पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत : गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. भारतीय काव्य शास्त्र, डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। -
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र सत्यदेव चौधरी और शान्तिस्वरूप गुप्त ।
4. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
5. रस-सिद्धान्त – नगेन्द्र
6. समीक्षा-सिद्धांत – राम प्रकाश
7. काव्यदर्पण – रामदहिन मिश्र
8. रस-मीमांसा – रामचन्द्र शुक्ल

M.A II (Sem – III)

पेपर तीसरा

हिन्दी नाटक और निबन्ध (HINMA.3T-303)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 40 | लिखित परीक्षा 70 अंक

Credits – 04 | आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को नाटक विधा के माध्यम से रंगमंचीयता की मूल्यों से परिचित करवाना।
2. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध नाटककारों से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों को निबन्ध विधा के स्वरूप और प्रवृत्तियों से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थियों की नाटक विधा में रुचि पैदा होगी।
2. रामचन्द्र शुक्ल के निबन्धों के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय गुण पैदा होंगे।
3. विद्यार्थी पारिवारिक विघटन के विभिन्न कारणों से अवगत होंगे।
4. विद्यार्थी सैन्य जीवन में होने वाले दलित शोषण के यथार्थ से परिचित होंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. मोहन राकेश 'आधे अधूरे', राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. स्वदेश दीपक 'कोर्ट मार्शल', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. रामचंद्र शुक्ल 'चिंतामणि', पाँच निबन्ध (श्रद्धा-भक्ति, करूणा, क्रोध, ईर्ष्या, कविता क्या है?)

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।
2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि प्रत्येक प्रश्न के अंतर्गत दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंको का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। अंक-12X2=24
3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24
4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो(2) अंकों का होगा। अंक-11×2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक-सूची

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एडं सन्ज़।
2. रंगमंच और नाटक की भूमिका डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक रामजन्म शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. आधुनिक हिन्दी नाटक बच्चन सिंह, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना रामविलास शर्मा, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।
6. मोहन राकेश रंग-शिल्प और प्रदर्शन, जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. गोरधन शेखावत : मोहन राकेश की कहानी यात्रा, चिन्मय प्रकाशन, दिल्ली।
8. रामदरश मिश्र, हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. इन्द्रनाथ मदान, आज का हिन्दी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

M.A IInd (Sem-III)

पेपर चार : (विकल्प-1)

मोहन राकेश: विशेष अध्ययन (HINMA.3T-304)

समय: 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 40 | लिखित परीक्षा 70 अंक

Credits- 04 | आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी साहित्य तथा विभिन्न विधाओं से अवगत करवाना।
2. विद्यार्थियों को मोहन राकेश के व्यक्तित्व तथा उनके साहित्यिक योगदान से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों को मोहन राकेश की रचनाओं के भाव तथा कला पक्ष से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी मोहन राकेश के विभिन्न साहित्यिक सोपानों की जानकारी हासिल करेंगे।
3. विद्यार्थियों में साहित्य की विभिन्न विधाओं में रुचि पैदा होगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. 'अंधेरे बन्द कमरे' (उपन्यास) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. मेरी प्रिय कहानियाँ, (कहानी संग्रह)(प्रथम पांच कहानियाँ) राजपाल एडं सन्ज, दिल्ली।
3. आषाढ़ का एक दिन (नाटक), राजपाल एडं सन्ज, दिल्ली।

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।
2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि प्रत्येक प्रश्न के अंतर्गत दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंको का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। अंक-12X2=24
3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24
4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो(2) अंकों का होगा। अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. डॉ. दशरथ ओझा हिन्दी नाटक की रूपरेखा, हिन्दी साहित्य संसार प्रकाशन, दिल्ली।
2. उर्मिला मिश्र, आधुनिकता और मोहन राकेश, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
3. सुंदर लाल कथूरिया (सं), नाटककार मोहन राकेश, कुमार प्रकाशन दिल्ली।
4. गोविन्द चातक, आधुनिक नाटक का मसीहा मोहन राकेश, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
5. गोरधन शेखावत : मोहन राकेश की कहानी यात्रा, चिन्मय प्रकाशन, दिल्ली।
6. रामदरश मिश्र, हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. इन्द्रनाथ मदान, आज का हिन्दी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक रामजन्म शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।



M.A II (Sem – III)

पेपर चार (विकल्प 2)

हिन्दी आलोचना और आलोचक (HINMA.3T-305)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 40 | लिखित परीक्षा 70 अंक

Credits – 04 | आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को हिन्दी आलोचना के विकास से परिचित करवाना।
2. विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रसिद्ध आलोचकों से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों को आलोचना के विभिन्न सिद्धान्तों से अवगत करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी हिन्दी आलोचना के विभिन्न पड़ावों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी काव्य लेखन सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. विद्यार्थियों में साहित्यिक समझ पैदा होगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. हिन्दी आलोचना का विकास भारतेन्दु से महावीर प्रसाद द्विवेदी तक (सामान्य अध्ययन)
2. भारतेन्दु के श्रेष्ठ निबन्ध सम्पा. सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन (वितरक) इलाहाबाद मात्र पांच निबन्ध जातीय संगीत, लेखक और नागरी-लेखक, नाटक अथवा दृश्य काव्य सिद्धांत विवेचन, हिन्दी भाषा, हिन्दी कविता,
3. साहित्य विचार (महावीर प्रसाद द्विवेदी) सम्पा. (मात्र पांच निबन्ध- कवि-कर्त्तव्य, कवि और कविता, कवि बनने के लिए सापेक्ष साधन, कविता का भविष्य, आजकल के हिन्दी कवि और कविता) भारत यायावर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।
2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देनाअनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि प्रत्येक प्रश्न के अंतर्गत दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंको का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। अंक-12X2=24

3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो (2) अंकों का होगा। अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी आलोचना का विकास नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी आलोचना विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय।
4. हिन्दी आलोचना का इतिहास, डॉ. माखनलाल शर्मा, शब्द प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी आलोचना – उद्भव और विकास, डॉ. मानव स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून।
6. भारतीय समीक्षा सिद्धांत, सूर्यनारायण द्विवेदी, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
7. आधुनिक हिन्दी समीक्षा, यदुनाथ सिंह, प्रकाशन मंडल, दिल्ली।

M A II (Sem – III)

पेपर चार (विकल्प - 3)

कबीर : विशेष अध्ययन (HINMA 3T-306)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पास प्रतिशत : 40 | लिखित परीक्षा : 70 अंक

Credits – 04 | आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को भक्तिकालीन साहित्य से परिचित करवाना।
2. विद्यार्थियों को भक्तिकालीन परिस्थितियों से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों को कबीर के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से अवगत करवाना।
4. विद्यार्थियों को कबीर काव्य के विभिन्न रुपों से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी भक्तिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी कबीर के साहित्य के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों से अवगत होंगे।
3. विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में वृद्धि होगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

कबीर ग्रन्थावली : सम्पा. श्यामसुन्दर दास (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।)

1. साखी : भाग 1, 2, 3, 4, 11, 12, 16, 21 कुल 8
2. पदावली : संख्या 51 से 80तक

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1.यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभक्त होगा।

2. भाग-एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि प्रत्येक प्रश्न के अंतर्गत दो व्याख्याएं पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंको का होगा। परीक्षक यह प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम में से इस प्रकार पूछे कि विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम में से उत्तर देना अनिवार्य हो। अंक-12X2=24

3. भाग-दो में 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। अंक-12X2=24

4. भाग-तीन में से पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो(2) अंकों का होगा।

अंक-11X2=22

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1.कबीर : सम्पा. विजयेंद्र स्नातक, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन कानपुर।

3. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग ।.

4. कबीर का लोकतात्विक चिन्तन : सुखविन्दर कौर बाठ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

5. कबीर : एक अनुशीलन : रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।

6. कबीर मीमांसा : रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

7. कबीर – जीवन और दर्शन, रामनिवास चंडक, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

8. कबीर – एक नई दृष्टि, रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।